>

Title: Regarding plight of unemployed B.Ed Teachers in Uttar Pradesh.

श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे आज बोलने का मौका दिया। चूंकि यह मुद्दा बेरोजगारों के बारे में है और बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे उठाना बहुत जरूरी था। दिनांक 28 फरवरी, 2011 को कई बी.एड. धारक सारे उत्तर प्रदेश और मेरे क्षेत्र उन्नाव से लखनऊ के झूले लाल पार्क चौक में धरना और प्रदर्शन कर रहे थे। उनका कार्यक्रम शांति पूर्वक चल रहा था, परन्तु हजरत गंज पहुंचते ही उनके ऊपर बेदर्दी से उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस द्वारा लाठी चार्ज करवा दिया गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। लोक तंत्र में अपनी बात कहने का उन्हें हक था, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने कई अलोकतांत्रिक नीतियों के साथ इन लोगों पर भी लाठी चार्ज करा दिया। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This would not go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव): सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश में आज प्राइमरी टीचरों की 3 लाख 25 हजार पोस्टें खाली पड़ी हैं और 4 लाख से ज्यादा बेरोजगार बी.एड. धारक हैं। पिछले सत्र में मैंने यह बात उठाई थी और माननीय जन संसाधन मंत्री, श्री कपिल सिब्बल जी ने आश्वासन दिया था और 25 अगस्त, 2010 को नैशनल कौंसिल फॉर टीचर्स एजूकेशन द्वारा एक नोटीफिकेशन भी जारी किया गया, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि जिन्होंने 50 नंबर से ज्यादा बी.ए., बी.एस सी. या बी.एड. में प्राप्त किए हैं और अगर 1 जनवरी, 2012 तक छः महीने की प्राइमरी एजूकेशन की ट्रेनिंग ले लेंगे, तो उन शिक्षकों की नियुक्तियां कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक में हो सकती हैं। इसके बावजूद, आज तक, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। मैं आपके माध्यम से सदन में मांग करती हूं कि ऐसी व्यवस्था की जाए जिसके अन्तर्गत राज्य सरकार जल्द से जल्द इन रिक्त स्थानों को भरने के लिए विज्ञापन निकाले।

महोदय, मैं आपके द्वारा केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहती हूं कि बेरोजगारी का मसला है, राइट टू एजूकेशन का मसला है और वहां एक अलोकतांत्रिक राज्य सरकार है। हम चाहते हैं कि इस पर जल्द से जल्द कोई कार्रवाई की जाए।